

---

# Shri Vighneshvara Gitam

---

## श्रीविघ्नेश्वरगीतम्

---

### Document Information



---

Text title : Vighneshvara Gitam

File name : vighneshvaragItam.itx

Category : ganesha, sanskritgeet, gItam

Location : doc\_ganesha

Proofread by : Sreenivasa Rao Bhagavatula

Description-comments : From stotrArNavaH 01-08

Latest update : February 13, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 13, 2021

*sanskritdocuments.org*

---



---

Shri Vighneshvara Gitam

श्रीविघ्नेश्वरगीतम्



विशदवाससं विस्तृतोरसं विमलतेजसं विद्धराक्षसम् ।  
विगततामसं विष्टरौकसं विभुमुपास्महे विघ्ननायकम् ॥ १ ॥

विधिहरिस्तुतं विष्टरस्थितं विपुललोचनं वीर्यशालिनम् ।  
विकटविक्रमं विद्ययावृतं विभुमुपास्महे विघ्ननायकम् ॥ २ ॥

विबुधसत्तमं विप्रपूजितं विधुकुलोज्ज्वलं विघ्ननाशनम् ।  
विधृतभूषणं वीतरागिणं विभुमुपास्महे विघ्ननायकम् ॥ ३ ॥

विभवसंयुतं विभ्रमान्वितं विषधरेद्गनूवेष्टितोदरम् ।  
विनुतपौरुषं (विस्तरा)विस्तृतालिकं विभुमुपास्महे विघ्ननायकम् ॥ ४ ॥

विमतमर्दनं विश्वनायकं वितरणोत्सुकं वारणाननम् ।  
विचलितश्रुतिं वीतकल्मषं विभुमुपास्महे विघ्ननायकम् ॥ ५ ॥

॥ इति श्रीविघ्नेश्वरगीतं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Sreenivasa Rao Bhagavatula

---

श्रीविघ्नेश्वरगीतम्

pdf was typeset on February 13, 2021

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

